एम.ए. राजस्थानी 2016 – 17

एम.ए. राजस्थानी के पूर्वार्द्ध एवं उत्तरार्द्ध में कुल 09 प्र न पत्र होंगे, जिनमें चार प्र न पत्र पूर्वार्द्ध में और पांच प्र न पत्र उत्तरार्द्ध में होंगे । सभी प्र न पत्र 100 अंकों के होंगे । प्र न पत्रों की समयावधि 3 घंटे होगी ।

नोट :– समस्त प्र न पत्रों के उत्तर का माध्यम राजस्थानी भाशा होगा ।

एम.ए. पूर्वार्द्ध

प्रथम प्र न पत्र	:	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य
द्वितीय प्र न पत्र	:	प्राचीन एवं मध्यकालीन गद्य
तृतीय प्र न पत्र	:	राजस्थानी भाशा एवं साहित्य का इतिहास
चतुर्थ प्र न पत्र	:	राजस्थानी लोक साहित्य, संस्कृति एवं संत साहित्य

एम.ए. पूर्वार्द्ध 2016 –17

प्रथम प्र न पत्र : प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

अध्ययन क्षेत्र

1. प्राचीन एवं मध्यकालीन राजस्थानी काव्य परंपरा का अध्ययन ।
2. भक्ति परक रचनाओं एवं रचनाकारों का वि ाश्ट अध्ययन ।
3. प्राचीन रचनाओं एवं वीर रसात्मक रचनाओं का वि ाश्ट अध्ययन ।

पाठ्यपुस्तकें

रणमल्ल छंद : श्रीधर व्यास,

वेली क्रिसण रुकमणी री : पृथ्वीराज राठौड़

हालां झालां रा कुण्डलिया : ईसरदास

ढोला मारू रा दूहा : सं. त्रय ठा. रामसिंह, नरोत्तमदास स्वामी, सूर्यकरण पारीक

अंक योजना

व्याख्या 9 × 4 = 36 अंक

आलोचनात्मक प्र न 16 × 4 = 64 अंक

प्रथम इकाई

चारों पाठ्यपुस्तकों में से एक–एक सप्रसंग व्याख्या पूछी जाएगी । इनमें आंतरिक विकल्प दिया जाएगा ।

(प्रत्येक व्याख्या हेतु 9 अंक निर्धारित होंगे) 9 × 4 = 36 अंक

द्वितीय इकाई

रणमल्ल छंद : श्रीधर व्यास 16 अंक

तृतीय इकाई

वेलि क्रिसण रुकमणी री : पृथ्वीराज राठौड़ 16 अंक

चतुर्थ इकाई

हालां झालां रा कुण्डलिया : ईसरदास । 16 अंक

पंचम इकाई

ढोला मारू रा दूहा : सं. त्रय ठा. रामसिंह, नरोत्तमदास स्वामी, सूर्यकरण पारीक 16 अंक

पाठ्यपुस्तकें

1. रणमल्ल छंद : (सं.) मूलचन्द प्राणे ा, भारतीय विद्या मंदिर भाोध प्रतिश्ठान, बीकानेर ।
2. वेलि क्रिसण रुकमणी री : (सं.) नरोत्तम दास स्वामी, श्रीराम मेहरा एण्ड संस, आगरा ।
3. हालां झालां रा कुण्डलिया : डॉ. मोतीलाल मेनारिया, द्विवेदी पुस्तक भण्डार, उदयपुर ।
4. ढोला मारू रा दूहा – सं. त्रय ठा. रामसिंह, नरोत्तमदास स्वामी, सूर्यकरण पारीक ।

अभिप्रस्तावित ग्रंथ

1. प्राचीन काव्य रूपों की परम्परा : अगरचन्द नाहटा, भारतीय विद्या मंदिर भाोध प्रतिश्ठान, बीकानेर
2. वेलि क्रिसण रुकमणी री : आनन्द प्रसाद दीक्षित
3. वेलि क्रिसण रुकमणी री : डॉ. पुरुशोत्तम आसोपा, बीकानेर
4. राजस्थानी की श्रेश्ठ कृतियां : माधोसिंह इन्दा
5. कीरत रा बखाण : डॉ. नमामी ांकर आचार्य, बीकानेर

द्वितीय प्र न पत्र : प्राचीन एवं मध्यकालीन गद्य

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

अध्ययन क्षेत्र

1. प्राचीन एवं मध्यकालीन राजस्थानी गद्य परंपरा का अध्ययन ।
2. वचनिका परम्परा का अध्ययन ।
3. राजस्थानी वात परम्परा का अध्ययन ।
4. राजस्थानी वात परम्परा की समृद्ध एवं विस्तृत रचनाओं का अध्ययन ।

पाठ्यपुस्तकें

1. वचनिका अचलदास खींची री : ि ावदास गाडण
2. राजस्थानी साहित्य संग्रह भाग – 1 : सं. डॉ. नरोत्तमदास स्वामी
3. कुंवरसी सांखलो – सं. मनोहर भार्मा
4. जगदेव पंवार री बात : सं. महावीर सिंह गहलोत

अंक योजना

व्याख्या 9 × 4 = 36 अंक

आलोचनात्मक प्र न 16 × 4 = 64 अंक

प्रथम इकाई

चारों पाठ्यपुस्तकों में से एक–एक सप्रसंग व्याख्या पूछी जाएगी । इनमें आंतरिक विकल्प दिया जाएगा ।

(प्रत्येक व्याख्या हेतु 9 अंक निर्धारित होंगे) 9 × 4 = 36 अंक

द्वितीय इकाई

वचनिका अचलदास खींची री : ि ावदास गाडण : एक आलोचनात्मक प्र न आंतरिक विकल्प सहित ।
16 अंक

तृतीय इकाई

राजस्थानी साहित्य संग्रह भाग – 1 : नरोत्तमदास स्वामी : एक आलोचनात्मक प्र न आंतरिक विकल्प सहित ।
16 अंक

चतुर्थ इकाई

कुंवरसी सांखलो : मनोहर भार्मा : एक आलोचनात्मक प्र न आंतरिक विकल्प सहित ।

16
अंक

पंचम इकाई

जगदेव पंवार री बात : महावीर सिंह गहलोत : एक आलोचनात्मक प्र न आंतरिक विकल्प सहित ।

16
अंक

पाठ्यपुस्तकें

1. अचलदास खींची री वचनिका : (सं.) भूपतिराम साकरिया, पंच ील प्रका ान, जयपुर ।
2. राजस्थानी साहित्य संग्रह भाग – 1 (सं.) डॉ. नरोत्तमदास स्वामी, राजस्थानी प्राच्य विद्या
   प्रतिश्ठान, जोधपुर ।
3. कुंवरसी सांखलो : (सं.) डॉ. मनोहर भार्मा, पंच ील प्रका ान, जयपुर
4. जगदेव पंवार री बात : (सं.) डॉ. महावीर सिंह गहलोत, राजस्थान साहित्य मंदिर, जोधपुर ।

तृतीय प्र न पत्र : राजस्थानी भाशा

एवं साहित्य का इतिहास

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

अध्ययन क्षेत्र

1. भाशा एवं लिपि के विकास की परंपरा और सामान्य सिद्धान्त ।
2. राजस्थानी भाशा के उद्‌भव और विकास परंपरा का वि ाश्ट अध्ययन ।
3. राजस्थानी लिपि – मुडिया लिपि की जानकारी ।
4. राजस्थानी साहित्य की युगीन परंपरा का अध्ययन : कालक्रम के अनुसार एवं काव्य परंपरा – धाराओं के अनुसार ।

नोट :– इस प्र न पत्र हेतु पाठ्‌य सामग्री अभिप्रस्तावित ग्रंथों से मिलेगी ।

अंक योजना 20 × 5 = 100 अंक

प्रथम इकाई

भाशा एवं लिपि सामान्य सिद्धान्त – एक प्र न – आंतरिक विकल्प सहित । 20 अंक

द्वितीय इकाई

राजस्थानी भाशा : उद्‌भव एवं विकास – एक प्र न – आंतरिक विकल्प सहित । 20 अंक

तृतीय इकाई

राजस्थानी साहित्य : आदिकाल – एक प्र न – आंतरिक विकल्प सहित । 20 अंक

चतुर्थ इकाई

राजस्थानी साहित्य : मध्यकाल – एक प्र न – आंतरिक विकल्प सहित । 20 अंक

पंचम इकाई

राजस्थानी साहित्य : आधुनिककाल – एक प्र न – आंतरिक विकल्प सहित । 20 अंक

अभिप्रस्तावित ग्रंथ

भाशा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी, किताब महल, दिल्ली ।

राजस्थानी भाशा : डॉ. सुनीतिकुमार चाटुर्ज्या : साहित्य संस्थान, उदयपुर ।

पुरानी राजस्थानी : एल. पी. टैस्सीटोरी (अनु.) डॉ. नामवर सिंह

राजस्थानी भाशा सर्वेक्षण : जार्ज ए. ग्रियर्सन (अनु.) आत्माराम जाजोदिया

प्रका ाक : राजस्थानी भाशा प्रचार सभा, जयपुर ।

राजस्थानी भाशा और साहित्य : डॉ. मोतीलाल मेनारिया

राजस्थानी भाशा और साहित्य : डॉ. कल्याण सिंह भोखावत

राजस्थानी भाशा–एक परिचय : नरोत्तमदास स्वामी

राजस्थानी सबद कोस (प्रथम खण्ड) सं. सीतारांम लालस

प्रका ाक : राजस्थानी भाोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर

डिंगल साहित्य : डॉ. गोवर्द्धन भार्मा

हिन्दी साहित्य का आदिकाल : आचार्य रामचन्द्र भाुक्ल

प्राचीन भारतीय लिपिमाला	: गौरी ांकर हीराचन्द ओझा
राजस्थानी व्याकरण	: नरोत्तमदास स्वामी
मारवाड़ी व्याकरण	: रामकरण आसोपा
राजस्थानी व्याकरण	: सीताराम लालस

चतुर्थ प्र न पत्र : राजस्थानी लोक साहित्य, संस्कृति एवं संत साहित्य

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 100

अध्ययन क्षेत्र

1. लोक साहित्य के संदर्भ में लोक का अर्थ, परिभाशा, तत्त्व, लोकमानस का स्वरूप एवं वि ोशताएं।
2. लोक साहित्य का सामान्य परिचय एवं विधाओं के अनुसार वर्गीकरण ।
3. राजस्थानी लोक साहित्य का अध्ययन एवं वर्गीकरण ।
4. राजस्थानी लोककथा, लोकगीत एवं लोकगाथा का वि ाि श्ट अध्ययन ।
5. राजस्थानी लोकदेवी–देवताओं का परिचय ।
6. राजस्थान के प्रमुख संतों एवं संत सम्प्रदायों का परिचय

नोट :– इस प्र न पत्र हेतु विशय सामग्री अभिप्रस्तावित ग्रंथों से प्राप्त होगी ।

अंक योजना 20 × 5 = 100 अंक

प्रथम इकाई

लोक साहित्य : लोक एवं लोकमानस : परिचय, परिभाशा, लोकतत्त्व – एक प्र न – आंतरिक विकल्प सहित ।

20 अंक

द्वितीय इकाई

लोक साहित्य : सामान्य परिचय एवं वर्गीकरण – एक प्र न – आंतरिक विकल्प सहित ।

20 अंक

तृतीय इकाई

लोककथा, लोकगीत, लोकगाथा – एक प्र न – आंतरिक विकल्प सहित । 20 अंक

चतुर्थ इकाई

राजस्थानी लोकदेवी–देवता – एक प्र न – आंतरिक विकल्प सहित ।

20 अंक

पंचम इकाई

राजस्थानी संत एवं संत सम्प्रदायों का सामान्य परिचय – एक प्र न – आंतरिक विकल्प सहित ।

20 अंक

अभिप्रस्तावित ग्रंथ

राजस्थानी लोक साहित्य का सैद्धांतिक विवेचन	: डॉ. सोहनदान चारण
राजस्थानी लोक नाट्य परम्परा एवं प्रवृत्तियां	: डॉ. महेन्द्र भानावत
लोक साहित्य विज्ञान	: डॉ. सत्येन्द्र
लोक साहित्य की भूमिका	: डॉ. कृश्णदेव उपाध्याय
भारतीय लोक वाड़मय	: भयाम परमार
लोक धर्म	: वासुदेव ारण अग्रवाल

लोक साहित्य (व्याख्यान)	: झवेरचन्द मेघानी
राजस्थानी लोक साहित्य	: नानूराम संस्कर्ता
तेजाजी	: डॉ. कन्हैयालाल सहल
तेजाजी	: डॉ. महेन्द्र भानावत
मध्यकालीन भारतीय संस्कृति	: गौरी ांकर हीराचन्द ओझा
नाथ सम्प्रदाय	: डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी